RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मार्च
06
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत का कृषि व्यापार / Agricultural trade of India

संदर्भ:

भारत का **कृषि व्यापार अधिशेष** अप्रैल-दिसंबर **2023-24 में 10.6 अरब डॉलर** से घटकर **2024-25 के पहले नौ महीनों में 8.2 अरब डॉलर** रह गया है।

भारत का कृषि व्यापार: रुझान-

कृषि निर्यात:

- **6.5% की वृद्धि**, जो **$35.2 बिलियन (अप्रैल-दिसंबर 2023) से बढ़कर $37.5 बिलियन (अप्रैल-दिसंबर 2024)** हो गया।
- यह **कुल वस्तु (Merchandise) निर्यात में 1.9% की वृद्धि** से अधिक है।

कृषि आयात:

- **18.7% की तेज़ वृद्धि**, जो **$24.6 बिलियन (अप्रैल-दिसंबर 2023) से बढ़कर $29.3 बिलियन (अप्रैल-दिसंबर 2024)** हो गया।

कृषि व्यापार अधिशेष (Trade Surplus) में गिरावट:

- **$10.6 बिलियन (2023-24) से घटकर $8.2 बिलियन (2024-25) हो गया।**
- भारत का कृषि व्यापार अधिशेष **2013-14 में $27.7 बिलियन** के शिखर पर था, लेकिन **2016-17 में $8.1 बिलियन** तक गिर गया।
- **2020-21 में $20.2 बिलियन** तक पहुंचा, लेकिन उसके बाद से लगातार गिरावट हो रही है।

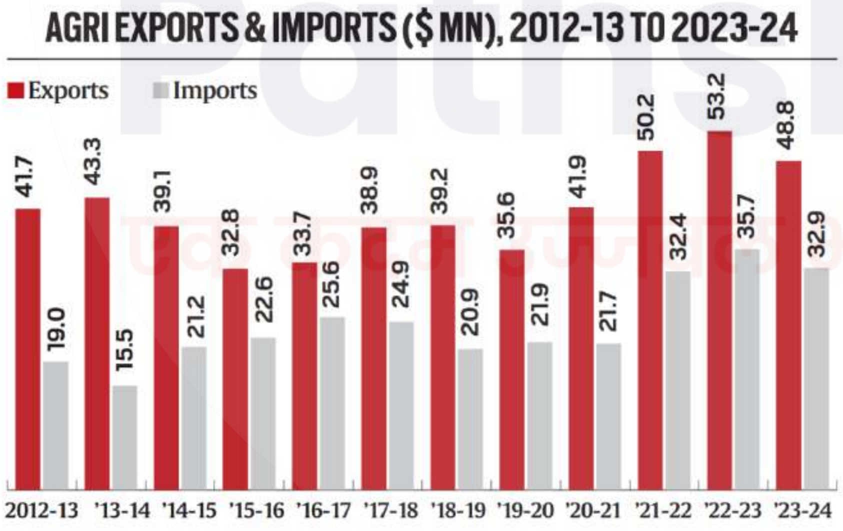

भारत का घटता कृषि व्यापार अधिशेष:

1. स्थिति:

- भारत **अब भी कृषि उत्पादों का शुद्ध निर्यातक (Net Exporter)** है, लेकिन **व्यापार अधिशेष (Trade Surplus) घट रहा है।**
- **2013-14 में $27.7 बिलियन** के शिखर से गिरकर **2023-24 में $16 बिलियन** हो गया।

2. अधिशेष पर प्रभाव डालने वाले कारक:

- **कृषि निर्यात में गिरावट:**
  - **2013-14 में $43.3 बिलियन से घटकर 2019-20 में $35.6 बिलियन** हो गया।
  - मुख्य कारण: **अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिंसों (Commodity) की कीमतों में गिरावट।**
- **आयात में वृद्धि:** तिलहन, दालों और खाद्य तेलों का बढ़ता आयात।
- **सरकार की नीतियां:** गेहूं और चावल निर्यात पर प्रतिबंध से अधिशेष पर असर।
- **वैश्विक परिस्थितियां:** मौसम परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंध, और वैश्विक मांग में कमी।

भारत के प्रमुख कृषि निर्यात उत्पाद:

1. समुद्री उत्पाद (Marine Products):

- भारत का **शीर्ष निर्यात उत्पाद**, लेकिन गिरावट जारी।
- $8.1 बिलियन (2022-23) से घटकर $7.4 बिलियन (2023-24)।

2. चावल (Rice):

- **बासमती और गैर-बासमती चावल** निर्यात मजबूत बना हुआ है, भले नीति संबंधी प्रतिबंध हों।
- भारत **दुनिया का सबसे बड़ा बासमती निर्यातक** है।

3. मसाले (Spices): भारत मिर्च, जीरा, हल्दी, धनिया, सौंफ, पुदीना उत्पादों में अग्रणी है।

4. कॉफी और तंबाकू (Coffee & Tobacco): ब्राज़ील, वियतनाम (कॉफी) और ज़िम्बाब्वे (तंबाकू) में फसल खराब होने से भारतीय निर्यात में उछाल।

5. चीनी (Sugar):

- $5.8 बिलियन (2022-23) से घटकर $2.8 बिलियन (2023-24) हो गया।
- सरकार द्वारा निर्यात प्रतिबंधों के कारण भारी गिरावट।

6. गेहूं: घरेलू आपूर्ति चिंताओं के कारण निर्यात लगभग बंद हो गया।

भारत के एआई सुरक्षा संस्थान / India's AI Safety Institute

संदर्भ:

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा किए गए हालिया घोषणा में स्वदेशी AI मॉडल लॉन्च करने और AI सुरक्षा संस्थान (AISI) स्थापित करने की योजना शामिल है, जो भारत की AI विकास और नियमन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

AI सुरक्षा (AI Safety) क्या है?

AI सुरक्षा का तात्पर्य उन प्रथाओं और सिद्धांतों से है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तकनीकों का विकास जिम्मेदारीपूर्वक किया जाए, जिससे मानवता को लाभ हो और किसी भी संभावित हानि या नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सके।

AI सुरक्षा के प्रमुख पहलू:

1. **नैतिक एल्गोरिदम डिजाइन (Ethical Design of Algorithms)**
   - AI प्रणाली पक्षपात (Bias) से मुक्त होनी चाहिए।
   - जिम्मेदार AI के लिए पारदर्शिता और व्याख्यात्मकता (Explainability) आवश्यक है।
2. **डेटा गोपनीयता और सुरक्षा (Data Privacy & Security)**
   - यूज़र्स और संगठनों के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।
   - अनुमति-आधारित डेटा संग्रहण और उपयोग महत्वपूर्ण है।
3. **जोखिम पहचान और न्यूनीकरण (Risk Identification & Mitigation):**
   - AI से जुड़े जोखिमों को पहचानकर, उनके प्रभाव को कम करने के उपाय विकसित किए जाते हैं।
   - संभावित खतरे: डेटा सुरक्षा उल्लंघन, साइबर हमले, AI का दुरुपयोग, और एल्गोरिदमिक भेदभाव।

वैश्विक शासन में AI सुरक्षा संस्थानों (AISIs) की भूमिका

दुनिया भर के देश **AI से जुड़े संभावित जोखिमों** को पहचान रहे हैं और उन्हें कम करने के लिए **AI सुरक्षा संस्थान (AISIs)** स्थापित कर रहे हैं। ये संस्थान स्थिर और अप्रचलित हो जाने वाले नियमों पर निर्भर रहने के बजाय, **निरंतर शोध, मूल्यांकन और जोखिम आकलन** पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्रमुख वैश्विक पहल:

- **यू.के. (U.K.):** 'Inspect' नामक **ओपन-सोर्स प्लेटफॉर्म** विकसित किया गया है, जो **तर्क क्षमता, ज्ञान की सटीकता और स्वायत्त क्षमताओं** के आधार पर AI मॉडलों का मूल्यांकन करता है।
- **यू.एस. (U.S.):** राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े AI खतरों से निपटने के लिए अंतर-विभागीय कार्य बल (Inter-Departmental Task Force) बनाया गया है।
- **सिंगापुर (Singapore):** सुरक्षित मॉडल डिज़ाइन, सामग्री सत्यापन और कठोर परीक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- **जापान (Japan):** AI जोखिमों की तकनीकी समझ विकसित करने के लिए वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दे रहा है।

AI सुरक्षा संस्थानों की महत्ता:

- **तकनीकी सटीकता**: AI जोखिमों के गहन विश्लेषण के लिए शोध और परीक्षण।
- **पारदर्शिता**: AI नीतियों और सुरक्षा उपायों में खुलापन।
- **अंतरराष्ट्रीय सहयोग**: AI गवर्नेंस के लिए वैश्विक मानकों का विकास।

भारत की संभावनाएं और नेतृत्व:

AI सुरक्षा ढांचे का विकास: कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के पास **AISIs स्थापित करने के लिए संसाधन और तकनीकी विशेषज्ञता** की कमी है। भारत इन देशों के साथ मिलकर **स्थानीय चुनौतियों के अनुरूप AI सुरक्षा ढांचे और मूल्यांकन मापदंड** विकसित कर सकता है।

UNESCO के साथ सहयोग:

- भारत, **UNESCO के AI रेडीनेस कार्यक्रम** के तहत **नैतिक AI विकास और तैनाती** को बढ़ावा दे रहा है।
- इस साझेदारी से मिले अनुभवों से भारत का AISI **व्यापक दिशानिर्देश तैयार** कर सकता है, जो AI सिस्टम को **शक्तिशाली, नैतिक और सुरक्षित** बनाएगा।

IndiaAI मिशन की प्रमुख पहलें:

भारत **AI सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र** को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य कर रहा है—

- **मशीन अनलर्निंग:** डेटा गोपनीयता और पूर्वाग्रह (Bias) को सुधारने के लिए।
- **सिंथेटिक डेटा जनरेशन:** सुरक्षित और निष्पक्ष AI मॉडल विकसित करने के लिए।
- **AI पूर्वाग्रह न्यूनीकरण:** AI निर्णयों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए।
- **गोपनीयता संवर्धन तकनीक:** डेटा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए।

ऑस्ट्रेलिया, भारत के विकास पथ का साझेदार / Australia, the partner for India's growth trajectory

संदर्भ:

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ आर्थिक सहयोग के लिए नई रूपरेखा (New Roadmap for Australia's Economic Engagement with India) लॉन्च की है। यह रूपरेखा दर्शाती है कि ऑस्ट्रेलिया भारत की असाधारण आर्थिक वृद्धि में कैसे योगदान कर सकता है और इससे कैसे लाभ प्राप्त कर सकता है।

भारत की आर्थिक शक्ति पर ऑस्ट्रेलिया का विश्वास:

1. **2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था:** ऑस्ट्रेलिया को पूरा विश्वास है कि **भारत 2030 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था** बन जाएगा। यह भरोसा **भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और बढ़ते वैश्विक प्रभाव** के कारण है।
2. **UNSC में स्थायी सीट के लिए समर्थन:**
   - भारत की **बढ़ती आर्थिक शक्ति** को ध्यान में रखते हुए, ऑस्ट्रेलिया **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में भारत की स्थायी सीट** का समर्थन करता है।
   - ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि **भारत की वैश्विक निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में भूमिका** को और मजबूत किया जाना चाहिए।
3. **भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक साझेदारी:**
   - **ऑस्ट्रेलिया के पास संसाधनों की भरपूर आपूर्ति** है, जो भारत के **औद्योगिक और तकनीकी विकास** के लिए आवश्यक हैं।
   - वहीं, **भारत का विशाल बाजार** ऑस्ट्रेलियाई वस्तुओं और सेवाओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
4. **आपसी सहयोग का आधार:** यह **आर्थिक परस्पर निर्भरता** भारत और ऑस्ट्रेलिया को **स्वाभाविक आर्थिक साझेदार (Natural Economic Partners)** बनाती है, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग और अधिक मजबूत होगा

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक और सामरिक संबंध

1. आर्थिक और व्यापारिक संबंध

भारत ऑस्ट्रेलिया का 5वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। वर्ष **2030 तक द्विपक्षीय व्यापार $31 बिलियन से बढ़कर $50 बिलियन** होने की उम्मीद है।

मुख्य निर्यात:

- **ऑस्ट्रेलिया से भारत:** कोयला, शिक्षा सेवाएं, प्राकृतिक गैस, और कृषि उत्पाद।
- **भारत से ऑस्ट्रेलिया:** फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद और आईटी सेवाएं।

2. व्यापार समझौते:

- **Comprehensive Economic Cooperation Agreement (CECA):** व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए समझौते पर बातचीत जारी।
- **Australia-India Economic Cooperation and Trade Agreement (ECTA):** शुल्क में कटौती और व्यापार के नए अवसर खोलने पर केंद्रित।

3. परस्पर पूरक अर्थव्यवस्थाएं:

- ऑस्ट्रेलिया के पास भरपूर खनिज संसाधन हैं (लिथियम, निकल, कोबाल्ट), जो भारत के निर्माण और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के लिए आवश्यक हैं।
- भारत वैश्विक विनिर्माण (Manufacturing) केंद्र बनने की ओर अग्रसर है, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई संसाधन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

4. रक्षा और सुरक्षा सहयोग

Mutual Logistics Support Agreement (MLSA): दोनों देशों की सेनाएं **एक-दूसरे के सैन्य अड्डों का उपयोग** लॉजिस्टिक्स और मरम्मत के लिए कर सकती हैं।

साइबर और तकनीकी सहयोग: साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), और डिजिटल गवर्नेंस में सहयोग बढ़ाना।

5. QUAD (Quadrilateral Security Dialogue): भारत और ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान के साथ मिलकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीनी प्रभाव को संतुलित करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

6 संयुक्त रक्षा अभ्यास: मालाबार, AUSINDEX, और AUSTRAHIND जैसे सैन्य अभ्यासों के माध्यम से रक्षा साझेदारी को मजबूत करना।

सांस्कृतिक संबंध और प्रवासी समुदाय:

शिक्षा और अनुसंधान सहयोग:

- **100,000+ भारतीय छात्र** ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हैं।
- **India-Australia Education and Research Collaboration:** विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानविकी में शोध के लिए समझौते।
- **Maitri Scholarship Program:** भारतीय छात्रों के लिए ऑस्ट्रेलिया में अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति।

भारतीय प्रवासी समुदाय: ऑस्ट्रेलिया में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक पुल का कार्य करते हैं।

भारत के समावेशी विकास में महिलाओं की भूमिका / Women's Role in India's Inclusive Growth

संदर्भ:

NITI आयोग ने **"उधारकर्ता से निर्माता तक: भारत की वित्तीय विकास गाथा में महिलाओं की भूमिका"** रिपोर्ट लॉन्च की, जो महिलाओं की बढ़ती वित्तीय भागीदारी को दर्शाती है।

- यह रिपोर्ट **TransUnion CIBIL, Women Entrepreneurship Platform (WEP), और MicroSave Consulting (MSC)** द्वारा प्रकाशित की गई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2024 तक महिलाओं द्वारा अपने क्रेडिट की निगरानी में **42% की वृद्धि** देखी गई है।

महिला उधारकर्ताओं में वृद्धि: प्रमुख निष्कर्ष:

1. महिलाओं द्वारा ऋण लेने में निरंतर वृद्धि:

- 2019 से 2024 के बीच महिलाओं द्वारा क्रेडिट मांग तीन गुना बढ़ी, जो महिलाओं के बीच वित्तीय समावेशन (financial inclusion) को दर्शाती है।

2. महिला उधारकर्ताओं की जनसांख्यिकी (Demographics):

- 60% महिला उधारकर्ता अर्ध-शहरी (semi-urban) या ग्रामीण क्षेत्रों से हैं।
- 30 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं द्वारा लिए गए खुदरा ऋण (retail credit) की हिस्सेदारी मात्र 27% है, जबकि पुरुषों के लिए यह 40% है।

3. क्रेडिट आपूर्ति प्रवृत्तियाँ (Credit Supply Trends):

- 2019 के बाद से महिलाओं की बिज़नेस लोन (Business Loans) में हिस्सेदारी 14% और गोल्ड लोन (Gold Loans) में 6% बढ़ी।
- 2024 में महिलाओं द्वारा लिए गए 42% ऋण व्यक्तिगत वित्त (Personal Finance) के लिए थे, जो 2019 में 39% थे।
- गोल्ड लोन महिलाओं के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय रहा – 2024 में 36% महिलाएँ गोल्ड लोन ले रही हैं, जबकि 2019 में यह सिर्फ 19% था।

4. क्रेडिट मॉनिटरिंग और जागरूकता में वृद्धि: दिसंबर 2024 तक, 2.7 करोड़ महिलाओं ने CIBIL के माध्यम से अपना क्रेडिट स्कोर और रिपोर्ट मॉनिटर किया, जो क्रेडिट जागरूकता में सुधार को दर्शाता है।

महिलाओं के बढ़ते वित्तीय समावेशन का महत्व

1. आर्थिक विकास:

- भारत की आबादी में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 50% है, लेकिन वे GDP में केवल 18% योगदान देती हैं।
- IMF के अनुसार, महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने से भारत का GDP 27% तक बढ़ सकता है।

2. रोजगार सृजन: महिला-स्वामित्व वाले MSMEs स्थानीय स्तर पर रोजगार और कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

3. सामाजिक सशक्तिकरण:

- महिलाओं के नेतृत्व में उद्यमिता (entrepreneurship) से लैंगिक समानता (gender equality) को बढ़ावा मिलता है।
- यह महिलाओं की नेतृत्व क्षमता और प्रबंधन कौशल को सिद्ध करता है, जिससे समाज में उनकी स्थिति मजबूत होती है।

महिलाओं को वित्तीय पहुंच में आने वाली चुनौतियाँ

1. **ऋण लेने में झिझक:** कर्ज चुकाने का डर और आर्थिक अस्थिरता के कारण कई महिलाएँ ऋण लेने से बचती हैं।
2. **संपार्श्विक और गारंटर की समस्या:** 79% महिला-स्वामित्व वाले व्यवसाय स्वयं-वित्त पोषित (self-financed) होते हैं और उन्हें औपचारिक ऋण प्राप्त करने में कठिनाई होती है।
3. **खराब बैंकिंग अनुभव:** वित्तीय संस्थानों में महिलाओं को ब्यूरोक्रेटिक बाधाओं और सलाहकारी समर्थन की कमी का सामना करना पड़ता है।
4. **महिलाओं के लिए सीमित वित्तीय उत्पाद: कठोर ऋण संरचनाएँ:** महिलाओं की विशिष्ट वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं करतीं।
5. **ऋण के लिए तैयारी की कमी: 30% महिला उद्यमियों के पास आवश्यक दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड नहीं होते**, जिससे उन्हें औपचारिक ऋण मिलने में परेशानी होती है।

IMF ने NBFCs से संबंधित चिंताएं जताईं / IMF Raised Concerns Related to NBFCs

संदर्भ:

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने भारत में **वित्तीय अस्थिरता** को लेकर चिंता जताई है, विशेष रूप से **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs)** के **बिजली और बुनियादी ढांचा क्षेत्र** में अधिक निवेश के कारण।

IMF की भारत के NBFCs पर चिंता:

- IMF ने भारत के **गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFCs)** की वित्तीय स्थिरता पर चिंता जताई है, खासकर उनकी बिजली (power) और बुनियादी ढाँचा (infrastructure) क्षेत्रों में अधिक निवेश के कारण।
- यह चेतावनी IMF की "India Financial System Stability Assessment" रिपोर्ट के तहत आई है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि NBFCs की बैंक, म्यूचुअल फंड और कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजारों से गहरी जुड़ाव (interconnectedness) के कारण, यदि यह क्षेत्र संकट में आता है तो व्यापक वित्तीय जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

IMF रिपोर्ट: भारत के NBFCs और वित्तीय स्थिरता पर प्रमुख बिंदु:

मुख्य निष्कर्ष

- **रिपोर्ट का फोकस:** "India Financial System Stability Assessment" रिपोर्ट मुख्य रूप से **बिजली (Power) क्षेत्र के ऋणों** पर केंद्रित है।
- **अध्ययन परिदृश्य:** IMF ने एक संभावित **stagflation (कम वृद्धि और उच्च मुद्रास्फीति)** स्थिति में बैंकों की मजबूती का परीक्षण किया।
- **बढ़ती बैंक निर्भरता:** 2019 के बाद से NBFCs द्वारा **बैंक उधारी (bank borrowings) पर निर्भरता** बढ़ी है।
- **बिजली क्षेत्र में ऋण वितरण:**
  - वित्त वर्ष 2024 में **63% बिजली क्षेत्र के ऋण** शीर्ष तीन **इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग कंपनियों (IFCs)** द्वारा दिए गए, जो कि NBFCs का एक प्रकार हैं।
  - यह 2019-20 में **55%** था।

IMF की चिंताएँ:

- **वित्तीय अस्थिरता:** NBFCs की **ऊर्जा और बुनियादी ढांचे** में अधिक भागीदारी वित्तीय जोखिम बढ़ा सकती है।
- **उच्च जोखिम:** बिजली क्षेत्र की **संरचनात्मक समस्याएँ (structural challenges)** वित्तीय संकट को बढ़ा सकती हैं।
- **बाजार पर असर:** NBFCs की **बैंकों, कॉर्पोरेट बॉन्ड और म्यूचुअल फंड्स** से गहरी कनेक्टिविटी होने के कारण, यदि संकट पैदा होता है तो इसका व्यापक असर होगा।
- **बैंकों पर प्रभाव:**
  - **स्ट्रेस टेस्ट में पाया गया कि** सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (PSBs) **stagflation** के दौरान **9% पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR)** बनाए रखने में असफल हो सकते हैं।
  - **RBI दिशानिर्देश:** PSBs के लिए **12% CAR** और वाणिज्यिक बैंकों के लिए **9% CAR** अनिवार्य है।

विनियामक चिंताएँ (Regulatory Concerns)

- **राज्य संचालित NBFCs को बड़े ऋण देने की सीमा (large exposure limits) से छूट दी गई है**, जिससे नियामक जोखिम (Regulatory Risk) बढ़ता है।

मुख्य सिफारिशें:

- बुनियादी ढांचा क्षेत्र में कार्यरत NBFCs के लिए सख्त तरलता नियम।
- ऋण और जोखिम प्रबंधन की कड़ी निगरानी।
- सरकारी और निजी NBFCs के लिए समान नियामक मानक।
- NBFC ऋण और जोखिम डेटा की पारदर्शिता बढ़ाना।
- बैंकों के लिए वित्तीय स्थिरता को विकास लक्ष्यों से ऊपर रखना।

वालेस लाइन / Wallace Line

संदर्भ:

19वीं शताब्दी में, अंग्रेज़ प्रकृतिवादी **अल्फ्रेड रसेल वालेस** ने एशिया से ऑस्ट्रेलिया की ओर बढ़ते हुए **जैव विविधता में एक तीव्र परिवर्तन** देखा। इस आधार पर, उन्होंने **"वालेस रेखा"** का प्रस्ताव रखा—एक **काल्पनिक सीमा**, जो दोनों क्षेत्रों की प्रजातियों को अलग करती है।

वॉलेस रेखा और सुलावेसी द्वीप की जैव विविधता

- **वॉलेस रेखा लॉम्बोक जलसंधि** (बाली और लॉम्बोक के बीच) और **मकास्सर जलसंधि** (बोर्नियो और सुलावेसी के बीच) से होकर गुजरती है।
- यह पूर्व की ओर **मिंदानाओ द्वीप** के दक्षिण में **फिलीपींस सागर** तक फैली हुई है।

सुलावेसी द्वीप पर खोजें

- **1876** में यह पाया गया कि **सुलावेसी** की वनस्पति और जीव-जंतु **अफ्रीका, भारत, जावा, मालुकु द्वीप, न्यू गिनी** और **फिलीपींस** से समानताएँ रखते हैं।
- यह द्वीप **एशिया और ऑस्ट्रेलिया** दोनों के जीव-जंतुओं का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करता है।

सुलावेसी द्वीप के विशिष्ट जीव-जंतु

एशियाई प्रजातियाँ:

- **टार्सियर** (*Tarsiidae परिवार*)
- **निचले इलाके का अनोआ** (*Bubalus depressicornis*)
- **पहाड़ी अनोआ** (*Bubalus quarlesi*)

ऑस्ट्रेलियाई प्रजातियाँ:

- **ड्वार्फ कस्कस** (*Strigocuscus celebensis*)

Red Rot रोग / Red Rot Disease

संदर्भ:

उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक बोई जाने वाली गन्ने की किस्म में **फंगल रोग** फैल गया है, जिससे देश के **चीनी उत्पादन** पर खतरा मंडरा रहा है।

Red Rot रोग के बारे में

1. **रोग का कारण** – यह एक फंगल रोग है, जिसे *Colletotrichum falcatum* नामक कवक फैलाता है और यह गन्ने की फसल को प्रभावित करता है।
2. **लक्षण** – गन्ने के आंतरिक ऊतकों में लालिमा, खट्टे-अल्कोहल जैसी गंध, और शर्करा की मात्रा में कमी।
3. **संक्रमण का तरीका** – हवा, पानी, मिट्टी, संक्रमित बोआई सामग्री (setts) और कृषि उपकरणों से फैलता है, जिससे इसे रोकना कठिन होता है।

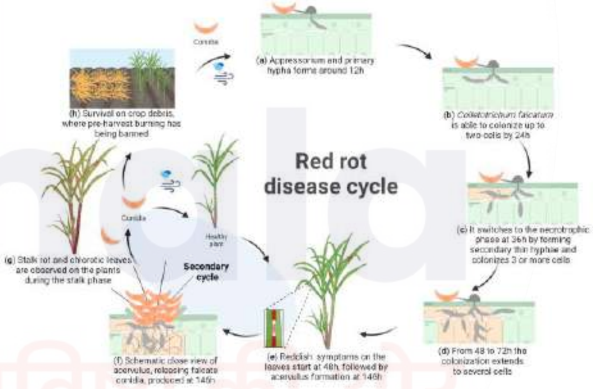

4. **उपज पर प्रभाव** – गन्ने का वजन कम होता है, शर्करा की रिकवरी घटती है, और रस की गुणवत्ता खराब हो जाती है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होता है।
5. **प्रभावित गन्ना प्रजातियाँ** – *Co 213, Co 1148, Co 7717* जैसी प्रजातियों को नुकसान पहुँचाया है, और अब *Co 0238* भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रभावित हो रही है।
6. **जलवायु प्रभाव** – अधिक वर्षा, बाढ़ और आर्द्रता रोग को बढ़ावा देती है, जिससे पौधों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है।

रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण / Real Estate Regulatory Authority (RERA)

संदर्भ:

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में **रेरा (RERA)** के कार्यान्वयन पर असंतोष जताते हुए इसे **"निराशाजनक"** कहा।

- कोर्ट ने रेरा प्राधिकरण को **होमबायर्स की सुरक्षा** और **रियल एस्टेट सेक्टर के प्रभावी नियमन** में विफल बताया।

रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 (RERA):

- **भूमि और उपनिवेशीकरण** राज्य का विषय है, लेकिन **घर खरीदारों की सुरक्षा** और **रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता** सुनिश्चित करने के लिए **संसद** ने **रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 (RERA)** पारित किया।
- यह **भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में सुधार** लाने वाला एक महत्वपूर्ण कानून है।
- इस अधिनियम के तहत **रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (Real Estate Regulatory Authority - RERA)** की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य **रियल एस्टेट क्षेत्र का विनियमन और संवर्धन** करना है।

उद्देश्य (Objectives) – RERA:

- रियल एस्टेट क्षेत्र का विनियमन और संवर्धन।
- परियोजना बिक्री में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करना।
- धोखाधड़ी से उपभोक्ताओं की सुरक्षा।
- तेजी से विवाद समाधान की व्यवस्था स्थापित करना।

RERA की मुख्य प्रावधान (Key Provisions of RERA):

1. नियामक प्राधिकरण की स्थापना:

- **राज्य RERA:** परियोजनाओं का पंजीकरण, खरीदारों की सुरक्षा, नियमों का अनुपालन।
- **अपीलीय अधिकरण:** RERA के निर्णयों पर अपील व विवाद निपटारा।

2. वित्तीय सुरक्षा उपाय:

- **एस्क्रो खाता:** खरीदारों के 70% धन का उपयोग केवल निर्माण में होगा।
- **अग्रिम भुगतान सीमा:** 10% से अधिक अग्रिम बिना लिखित अनुबंध के नहीं लिया जा सकता।

3. होमबायर्स की सुरक्षा:

- **कालीन क्षेत्र:** चार्जिंग नेट उपयोगी फर्श क्षेत्र पर आधारित होगा।
- **समय पर परियोजना पूर्णता:** देरी पर जुर्माना।
- **संरचनात्मक दोष दायित्व:** 5 वर्षों तक मरम्मत की जिम्मेदारी।

4. दंड प्रावधान एवं कानूनी अनुपालन:

- **विलंब पर समान ब्याज दर।**
- **डेवलपर्स के लिए 3 साल तक की सजा, एजेंट्स/खरीदारों के लिए 1 साल तक की सजा।**

RERA लागू करने में चुनौतियाँ:

1. **जटिल और महंगा पंजीकरण प्रक्रिया** – RERA पंजीकरण लंबा और खर्चीला होने के कारण डेवलपर्स नई परियोजनाएँ शुरू करने से हिचकते हैं।
2. **छोटे डेवलपर्स के लिए अनुपालन कठिनाइयाँ** – सीमित संसाधनों के कारण छोटे डेवलपर्स RERA नियमों का पूरी तरह पालन करने में असमर्थ होते हैं।
3. **राज्यों में असंगत कार्यान्वयन** – सभी राज्यों में RERA समान रूप से प्रभावी नहीं है, जिससे नियामक प्रवर्तन में अंतर रहता है।
4. **अपर्याप्त अवसंरचना और मानव संसाधन** – कई राज्यों में उचित बुनियादी ढाँचा और स्टाफ की कमी के कारण पंजीकरण और शिकायत निपटान में देरी होती है।
5. **हितधारकों में जागरूकता की कमी** – कई खरीदार और डेवलपर्स RERA प्रावधानों से अनजान होते हैं, जिससे नियमों का सही उपयोग नहीं हो पाता।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala | Avasthiankit

AnkitAvasthiSir | kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE
FOUNDATION BATCH
FOR ALL
POLITY
ECONOMICS
HISTORY
GEOGRAPHY
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Rs
4999/-
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

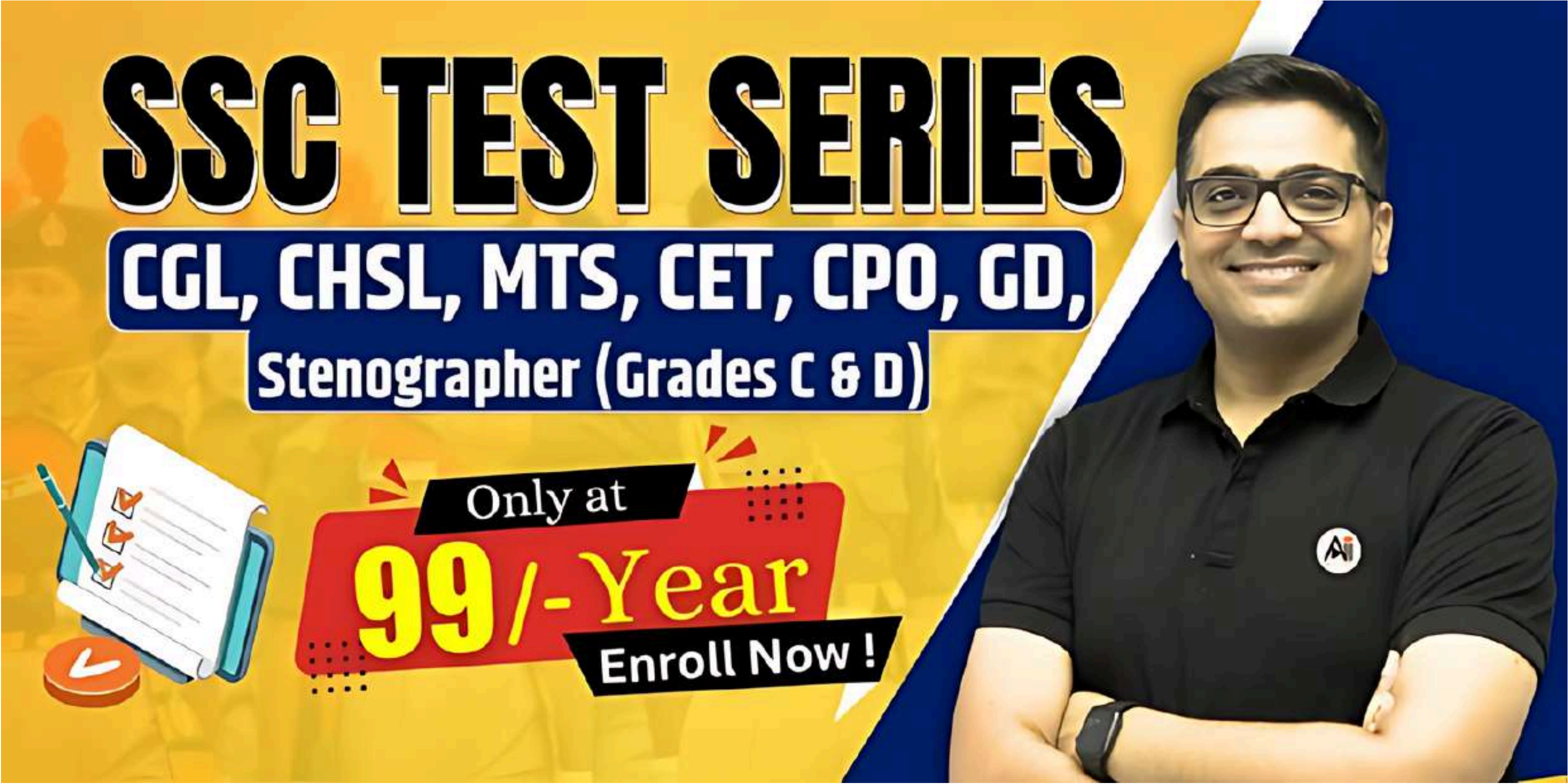
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !